



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 131]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 1, 1981/चैत्र 11, 1903

No. 131]

NEW DELHI, WEDNESDAY, APRIL 1, 1981/CHAITRA 11, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)  
अधिसूचनाएं

MINISTRY OF FINANCE  
(Department of Revenue)  
NOTIFICATIONS

New Delhi, the 1st April, 1981

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1981

CENTRAL EXCISES

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

G.S.R. 263(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts gas cylinders, conforming to the specifications laid down in IS: 7285—1974 or IS: 7312—1974 of the Indian Standards Institution, falling under Item No. 46 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of eight per cent ad-valorem :

Provided that nothing contained in this notification shall apply to such cylinders manufactured in any factory whose annual licenced capacity for manufacturing such cylinders as certified by the Development Officer of Directorate General of Technical Development exceeds one lakh numbers of such cylinders.

[No. 91/81-CE/F. No. 338/21/80-TRU]

J. SRIDHARAN, Under Secy.

सा. का. नि. 263 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची के मद संख्यांक 46 के अन्तर्गत आने वाले, भारतीय मानक संस्था के भा. मा. 7285-1974 या भा. मा. 7312-1974 में अधिकृत विनिर्देशों के अनुरूप गैस सिलिण्डरों को, उन पर उद्ग्राहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से, जो मूल्य के आठ प्रतिशत से अधिक है, छूट देती है :

परन्तु इस अधिसूचना की कोई बात, किसी ऐसे कारखाने में विनिर्मित गैस सिलिण्डरों को लागू नहीं होगी जिसकी ऐसे सिलिण्डरों के विनिर्माण के लिए तकनीकी विकास महा-निदेशालय के विकास अधिकारी द्वारा यथा प्रमाणित वार्षिक अनुज्ञप्त क्षमता ऐसे एक लाख सिलिण्डरों से अधिक है ।

[91/81-के उ श. /फा. म. 338/21/80-टी आर यू.]

जे. श्रीधरन, अवर सचिव

सा. का. नि. 264 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग) की अधिसूचा सं. 46/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1981 का निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में पैरा 1 के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण अन्तःस्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

“स्पष्टीकरण—इस अधिसूचना में, “कारखाना” पद का वही अर्थ है जो कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) की धारा 2 के खंड (ड) में है।”

[सं. 92/81-के.उ.शू.]

**G.S.R. 264(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 46/81-Central Excises, dated the 1st March, 1981, namely :—

In the said notification, after paragraph 1, the following Explanation shall be inserted, namely :—

“Explanation.—In this notification, the expression “factory” has the meaning assigned to it in clause (m) of section 2 of the Factories Act, 1948 (63 of 1948).”

[No. 92/81-CE]

**सा. का. नि. 263 (अ) :**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 47/81-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1981 को विरुद्धित करती है।

[सं. 93/81-के. उ. शू.]

**G.S.R. 265(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 47/81-Central Excises, dated the 1st March, 1981.

[No. 93/81-CE]

**सा. का. नि. 266 (अ) :**—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की पहली अनुसूची की मद सं. 68 के अन्तर्गत आने वाली और भारत सरकार की टंकसार में विनिर्दिष्ट मानक स्वर्ण छड़ों को, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना स्वर्ण के किसी अन्य रूप को ऐसी छड़ों को संपरिवर्तित करने की लागत के आधार पर संगणित उत्पाद-शुल्क से अधिक है, छूट देती है।

[सं. 94/81-के.उ.शू.]

टी. आर. रुस्तगी, अवसर सचिव

**G.S.R. 266(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts standard gold bars falling under Item No. 68 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and manufactured

by the Government of India Mint from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty calculated on the basis of the cost of conversion of any other form of gold into such bars.

[No. 94/81-CE]

T. R. RUSTAGI, Under Secy.

### सीमा-शुल्क

**सा. का. नि. 267 (अ) :**—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 73 के अन्तर्गत आने वाली इस्पात ट्यूबों को, जब उनका भारत में आयात, भारतीय मानक संस्था के भा. मा. 7285-1974 या भा. मा. 7312-1974 में अधिकाधिक विनिर्देशों के अनुरूप गैस सिलेण्डरों के विनिर्माण के लिए किया जाए,

(क) उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण सीमा-शुल्क से, और

(ख) द्वितीय उल्लिखित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क से, छूट देती है ;

परन्तु यह तब जबकि आयातकर्ता सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट प्ररूप में और राशि का बन्धपत्र निष्पादित करके स्वयं को इस बात के लिए आबद्ध करता है कि प्रपन्नगत इस्पात ट्यूबों की ऐसी मात्रा पर जिसकी श्रावत सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधान प्रद रूप में यह साबित नहीं किया गया है कि वह यथा पूर्वोक्त गैस सिलेण्डरों के विनिर्माण के लिए उपयोग में लाई गई है, मांग की जाने पर उतनी रकम का संदाय करेगा जो यदि ऐसी छूट न दी गई होती तो ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात करत समय संबन्धित शुल्क के बीच अन्तर के बराबर है।

[सं. 103/फा. सं. 338/21/60-टी आर यू]

### CUSTOMS

**G.S.R. 267(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts steel tubes falling within Chapter 73 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of gas cylinders conforming to the specifications laid down in IS: 7285—1974 or IS: 7312—1974 of the Indian Standards Institution, from—

(a) the whole of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, and

(b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act :

Provided that the importer, by execution of a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, binds himself to pay on demand, in

aspect of such quantity of the steel tubes in question as is not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used in the manufacture of gas cylinders as aforesaid, an amount equal to the difference between the duty which would have been leviable on such quantity but for the exemption contained herein and that paid at the time of importation.

[No. 103/F. No. 338/21/80-TRU]

सा. का. नि. 268 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, वित्त विधेयक, 1981 के खण्ड 47 के उपखण्ड (4), जो खण्ड अनन्तिम कर संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन उक्त विधेयक में की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 46-सीमा-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1981 का निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, क्रम सं. 195 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टि के पश्चात्, निम्नलिखित

अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“196 सं. 103 सीमा-शुल्क, तारीख 1 अप्रैल, 1981” ।

[सं. 104/फा. सं. 338/21/80-टी आर यू]

जे. श्रीधरन, अवर सचिव

G.S.R. 268(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 47 of the Finance Bill, 1981, which clause has, by virtue of the declaration made in the said Bill under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue No. 46-Customs, dated the 1st March, 1981, namely :—

In the Schedule to the said notification, after Serial No. 195 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely—

“196 No. 103-Customs, dated 1st April, 1981.

[No. 104/F. No. 338/21/80-TRU]

J. SRIDHARAN, Under Secy.

